

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

दैनिक भास्कर

NAME OF NEWSPAPERS---

DATED---

नई दिल्ली, शनिवार 06 जनवरी, 2024

डीडीए की अमानवीयता • बुलडोजर चलाकर 500 से ज्यादा झुग्गियां जमींदोज कीं न नोटिस, न वैकल्पिक व्यवस्था, सर्दी में हजारों झुग्गी वालों को किया बेघर

शेखर घोष | नई दिल्ली

डीडीए पर हर महीने 1 हजार रुपए की उगाही का आरोप



इन झुग्गियों में ज्यादातर लोग यूपी, बिहार, बंगाल, झारखंड, हरियाणा से आकर बसे थे। वे मजदूर थे और इन झुग्गियों में अपने परिवार के साथ रहते थे। नोडल ऑफिसर और डीडीए के अधिकारियों ने उनके खेतों में लगी गोभी, बैंगन जैसी मौसमी सब्जियों और नर्सरियों में रखे फल-फूलों के पौधों को भी रौंद दिया। ये लोग किसानों से जमीन पट्टे पर लेकर नर्सरी का कारोबार और मौसमी सब्जी उगाकर अपना जीवन यापन करते हैं। इनका आरोप है कि डीडीए के कर्मचारी उनसे प्रति माह 1000 रुपए की उगाही करते थे और अब रकम बढ़ाने की मांग कर रहे थे।

सर्दी में की कार्रवाई, अब जाएं तो जाएं कहां

यहां रहने वाले हैदर खान ने कहा, मैं और मेरा परिवार 40 साल से यहां रह रहा था। हम जानवर पालते हैं और उनका दूध बेचकर गुजारा करते हैं। डीडीए ने बिना नोटिस दिए इस सर्दी में कार्रवाई की है। सीता महतो ने बताया, हमें झुग्गी से सामान भी नहीं निकालने दिया। मेरे 4 बच्चे हैं। मेरी सोलर प्लेट भी तोड़ दी। गैस का स्टोव भी तोड़ दिया। हमारी इतनी कमाई नहीं है कि हम किराए पर रह सकें। हम अपने जानवरों के साथ कहां जाएं।

डीडीए से इस बारे में पूछा तो साध ली चुप्पी

इस मामले में हाई कोर्ट का भी आदेश है कि ऐसे बेघरों को बिना वैकल्पिक स्थान पर बसाने के पहले इस तरह का कार्रवाई नहीं की जा सकती। दैनिक भास्कर ने इस मामले को लेकर डीडीए के प्रवक्ता विजय शंकर पटेल को बार-बार कॉल की, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। वॉट्सएप पर फोटो और वीडियो भेजने पर भी वे चुप्पी साधे रहे। फिर देर रात उन्होंने मैसेज कर बाद में कॉल करने की बात कही।

डीडीए की प्रीमियम आवासीय योजना की ई-नीलामी में 274 प्लैट बुक हुए

नई दिल्ली | डीडीए की प्रीमियम आवासीय योजना के तहत शुक्रवार को पहली बार की गई ई-नीलामी प्रक्रिया में 129 एमआईजी, 138 एसएचआईजी और 7 पीएच सहित कुल 274 प्लैट लोगों ने बुक करवाए। डीडीए के प्रवक्ता के अनुसार, कुछ मामलों में प्लैटों का प्रीमियम 80 फीसदी तक प्राप्त हुआ। डीडीए के अनुसार द्वारका सेक्टर-19 के पेंटहाउस, सुपर एचआईजी और एचआईजी जून 2024 तक, एमआईजी श्रेणी के द्वारका सेक्टर-14 के प्लैट अप्रैल 2024 एवं लोकनाथपुरम के एमआईजी प्लैट मार्च 2024 तक हैंडओवर किए जाएंगे।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

LIBRARY

PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS THE HINDU Saturday, January 6, 2024 -DATED-----

274 flats booked on the first day of e-auction for DDA housing scheme

Press Trust of India
NEW DELHI

A total of 274 flats, including seven penthouses and 138 super HIG flats, offered by the Delhi Development Authority (DDA) in e-auction mode as part of its new housing scheme, were booked on Friday, officials said.

The registration for these flats began on November 30, and the e-auc-



There was fierce competition among the bidders, signifying high demand for DDA flats

SENIOR DDA OFFICIAL

tion began on Friday. "There was fierce competition among the bidders during the entire process, signifying high demand for

DDA flats," a senior DDA official said.

The 'Diwali Special Housing Scheme - 2023' entails the disposal of newly built or soon-to-be completed flats through an end-to-end online system.

There are 14 penthouses in Dwarka's Sector 19B, 170 super HIGs and 946 HIGs, while Sector 14 and Lok Nayak Puram have 316 and 647 MIGs, respectively, the DDA had earlier said.

amarujala.com

शनिवार, 6 जनवरी 2024

डीडीए के 274 फ्लैटों की ई-नीलामी

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की दिवाली हाउसिंग योजना-2023 के तहत बड़े फ्लैटों की शुरुआत को ई-नीलामी हुई। दो दिन चलने वाली ई-नीलामी के पहले दिन 274 फ्लैटों की नीलामी हुई। इस दौरान कुछ फ्लैटों का प्रीमियम 80 प्राप्त हुआ।

डीडीए शनिवार को फ्लैटों की ई-नीलामी करेगा। डीडीए के अनुसार, शुरुआत को ई-नीलामी में 129 एमआईजी, 138 सुपर एचआईजी और सात पीएच सहित 274 फ्लैट बुक हुए। पूरी प्रक्रिया के दौरान बोलीदाताओं के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। डीडीए ने ई-नीलामी के पहले चरण में 516 फ्लैटों को शामिल किया है। शनिवार को एचआईजी फ्लैटों की ई-नीलामी होगी। डीडीए ने दिवाली हाउसिंग योजना-2023 के तहत इन फ्लैटों को 30 नवंबर को लांच किया था। यूरो

6 जनवरी • 2024

सहारा

डीडीए की पहले चरण की ई-नीलामी प्रक्रिया संपन्न

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की स्पेशल आवासीय योजना-2023 के फ्लैटों की पहले चरण की ई-नीलामी प्रक्रिया शुरुआत को संपन्न हो गई। ई-नीलामी प्रक्रिया में कुल 274 फ्लैट शामिल थे। ई-नीलामी में शामिल पेंटहाउस की बिक्री को लेकर दिल्लीवासियों ने खास रुचि नहीं दिखाई है। डीडीए की इस पेंटहाउस में हाउसिंग योजना में कुल 15 खरीदारों ने नहीं पेंट हाउस शामिल है, लेकिन केवल 7 पेंट हाउसों दिखाई खास रुचि को ही बुकिंग हो पाई है। हालांकि शेष फ्लैटों की

ऑन लाइन नीलामी शनिवार को भी जारी रहेगी। ई-नीलामी प्रक्रिया संपन्न होने के बाद अधिकारी ने बताया कि कुल 274 फ्लैटों में करीब 129 एमआईजी, 138 सुपर एचआईजी शामिल थे। हालांकि ई-नीलामी प्रक्रिया में शामिल आंकड़े के मुताबिक कुल 3055 लोगों ने पंजीकरण कराया था और निर्धारित अग्रिम राशि भी जमा करा दी थी। पहले दिन की ई-नीलामी प्रक्रिया दो चरण में संपन्न हुई। अधिकारियों ने बताया कि सफल आवेदकों को जल्द ही ऑन लाइन आवंटन पत्र भेजे जाएंगे। असफल रहे आवेदकों को जमा राशि जल्द ही लौटा दी जाएगी।

7 जनवरी • 2024

सहारा

PRESS CLIPPING SERVICE

DATED

यमुना के किनारे बांसेरा पार्क में दो दिवसीय पतंग उत्सव की तैयारी

■ नई दिल्ली (एसएनबी)।

आज व कल चुनिंदा गांवों में रात बिताएंगे जिलाधिकारी

■ नई दिल्ली (एसएनबी)।

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) यमुना के किनारे 13-14 जनवरी को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय पतंग उत्सव आयोजित करेगा। बांसेरा बंबू पार्क में होने वाले इस उत्सव के लिए देश-विदेश के पतंगवाजों को आमंत्रित किया जा रहा है। पतंगबाजी के लिए थीम पवेलियन बनाया जाएगा। इसमें पतंगों की बिक्री की भी व्यवस्था होगी। उत्सव में बच्चे और बुजुर्ग खाने की चीजों का भी लुत्फ उठा सकें, इसके लिए हस्तशिल्प स्टॉल लगाने के साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन की व्यवस्था की गई है। बच्चों के लिए भी रंगारंग कार्यक्रम की व्यवस्था की गई है।

यमुना के किनारे बने बांसेरा पार्क में प्रस्तावित पतंग उत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। तैयारियों के लिए बागवानी विभाग को सक्रिय किया गया है। उत्सव स्थल पर एक गैलरी बनाई जाएगी, जिसमें युद्ध के समय पतंग के उपयोग, लड़ाकू पतंग, भारत में पतंग का महत्व आदि को दर्शाया जाएगा। पतंग उड़ाने वालों को मनपसंद पतंग उपलब्ध कराने के लिए क्लासिकल पतंग बाजार भी शुरू किया जाएगा। जिससे पेशेवर उत्सव में नई-नई पतंगों को प्रदर्शन कर सकें।

उप-राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने राजधानी के गांवों के विकास पर फोकस तेज कर दिया है। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वह 7 एवं 8 जनवरी को चुनिंदा गांवों में रात बिताएंगे। गांव के लोगों के बीच रहकर विकास की भूमिका का खाका तैयार करेंगे। बाद में विकास की इन योजनाओं को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) मूर्तरूप देगा। दरअसल बीती 2 जनवरी को राजनिवास में ग्रामीणों के साथ उप-राज्यपाल ने संवाद किया था। इस कार्यक्रम में 180 गांवों के 500 से अधिक लोगों से हिस्सा लिया था।

राजनिवास सचिवालय ने जारी बयान में कहा है कि दिल्ली ग्रामोदय अभियान के तहत सभी जिलाधिकारी 7 जनवरी यानी रविवार को सुबह गांव में पहुंचेंगे और 8 जनवरी सुबह तक गांव में ही रहेंगे। इसके लिए पहले चरण में 11 जिलों के गांव बापरोला, तातेसर ग्रामीण, खेड़ा डाबर, फतेहपुर बेरी, पुल प्रह्लादपुर, चिल्ला सरोदा बांगर, वाबरपुर, बाकियाबाद, जगतपुर एवं नई दिल्ली जिले के

■ दिल्ली ग्रामोदय अभियान के तहत विकास कार्यों का शुभारंभ आज से

समालखा गांव का चयन किया गया है।

सचिवालय के कार्यक्रम के मुताबिक जिलाधिकारी सुबह 11 से 2 बजे तक यानी शुरुआती तीन घंटों में वह गांव वासियों एवं आस-पड़ोस के लोगों लोगों के साथ संवाद करेंगे। दोपहर बाद 3 बजे से शाम 6 बजे तक विभिन्न विभागों डीडीए, डीजेबी एवं नगर निगम के अधिकारियों से बात कर चिह्नित कार्यस्थलों का निरीक्षण करेंगे।

शाम को 6 बजे से 7 बजे तक गांव वालों के साथ अलाव पर एक चर्चा करेंगे। इसमें उनकी शिकायतों के साथ ही सुझाव शामिल किए जाएंगे। सचिवालय के अधिकारी ने बताया कि दोनों दिन रात्रि विश्राम के बाद सुबह 7 बजे से 11 बजे तक दूसरे दौर का संवाद करेंगे और उनके साथ विकास का रोड मैप साझा करेंगे जिससे विकास कार्यों को समय पर शुरू कराकर निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जा सके।

millenniumpost

NEW DELHI | SUNDAY, 7 JANUARY, 2024

DDA to host international kite festival at 'Baansera' on Jan 13-14

OUR CORRESPONDENT

NEW DELHI: The Delhi Development Authority (DDA) will host a two-day kite festival at a sustainability-themed bamboo park here next week, officials said on Saturday.

International kite festival 'Patang Utsav' will be held on January 13-14 at 'Baansera' bamboo park, located at Sarai Kale Khan on banks of river Yamuna.

The festival will have major attractions including a theme pavilion, which will be set up for displaying "history of kites, in the form of a kite gallery showing use of kites during times of war, fighter kites, significance of kites in India," a senior official said.

A classical 'Patang Bazaar' would also be put up for people to buy kites, the DDA said in a statement, adding, "professional kitiests will be coming to the festival showcasing innovative kites".



Additionally, traditional food and handicrafts stalls shall also be set up for public along with cultural performances by folk artists show casing India's cultural diversity.

Exclusive activities have been planned for kids as well in the form of a kids zone, the officials said. "It will be an excellent recreational opportunity for people to visit the festival along with their family and kids to enjoy the festival on the auspicious occasion of Lohri, Makar Sankranti, Bihu and Pongal," it added.

Makar Sankranti falls on January 14, and a large number of people fly kites in vari-

ous parts of the country on that day. To enhance the ecological character of Yamuna floodplains and make it more people friendly by making it attractive as a recreational and cultural venue, Delhi Lt Governor V K Saxena had laid the foundation of 'Baansera' in August 2022 and it was developed in six months.

More than 25,000 special variety of Bamboo saplings, brought from Assam were planted here. 'Baansera' aims at providing the people of Delhi with the much needed public spaces in the capital on one hand, and also ensure that the rich biodiversity of the flood plain is preserved and maintained, the official said.

DDA's projects for restoration and rejuvenation of the floodplains of the Yamuna are being carried out as an initiative to enhance the ecological character of the floodplains and to make them accessible to the public at large.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

पंजाब केसरी

दिल्ली, रविवार

07.01.2024

NAME OF NEWSPAPERS

DATED

सभी जिला अधिकारी आज करेंगे गांवों में रात्रि प्रवास, समस्या सुन करेंगे दूर

बांसेरा बैम्बू पार्क में डीडीए करेगा 'पतंग उत्सव' का आयोजन

एलजी ने दिए आदेश, संवाद कार्यक्रम के तहत लोगों से सुनेंगे उनकी समस्याएं

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली के सभी जिला अधिकारी रविवार को गांव में रात्रि प्रवास प्रवास करेंगे। इस दौरान गांव वालों की समस्या को सुनेंगे और उनकी समस्या को दूर करने की दिशा में काम करेंगे। इसे लेकर दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने आदेश जारी किया है। आदेश के तहत सभी जिला अधिकारी सात से आठ जनवरी तक चयनित गांवों का दौरा करेंगे और रात्रि प्रवास करेंगे। इसमें कहा गया कि दो जनवरी को संवाद कार्यक्रम के दौरान एलजी ने इसे लेकर आदेश दिया था। साथ ही कहा था कि 800 करोड़ से अधिक रुपए की लागत से गांव में

विकास कार्य किए जाएंगे। दिल्ली ग्रामोदय अभियान के तहत होने वाले विकास कार्य के लिए ग्रामीणों से सुझाव दिया है। अधिकारियों ने बताया कि डीएम सुबह 11 बजे से शुरू होने वाले पहले तीन घंटों में गांवों के निवासियों के साथ संवाद करेंगे। दोपहर तीन बजे से शाम छह बजे तक डीडीए, राजस्व, दिल्ली जल बोर्ड और एमसीडी सहित अन्य संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ उन क्षेत्रों का निरीक्षण करेंगे। साथ ही उक्त क्षेत्र में चल रहे विकास कार्य का जायजा लेंगे। शाम छह बजे से सात बजे तक निवासियों के साथ चर्चा करेंगे। साथ ही उनकी शिकायतें और प्रतिक्रिया साझा करेंगे। अगले दिन फिर सुबह सात बजे से 11 बजे तक फिर से संवाद कार्यक्रम का आयोजन कर लोगों से बात करेंगे। बता दें कि दो जनवरी को संवाद कार्यक्रम के दौरान

इन गांव में रहेंगे जिले के डीएम

जिला	गांव
पश्चिम	बापरोला
उत्तर पश्चिम	तातेसर ग्रामीण
दक्षिण पश्चिम	खेड़ा डाबर
दक्षिण	फतेहपुर बेरी
दक्षिण पूर्व	पुल प्रहलादपुर
पूर्व	दिल्ला सरोदा बांगर
शाहदरा	बापरापुर
उत्तर पूर्व	बाक्रियाबाद
मध्य	उमतापुर
नई दिल्ली	समालखा
उत्तर	पल्लो

एलजी ने 180 गांवों का प्रतिनिधित्व करने वाले 500 से अधिक ग्रामीणों के साथ बातचीत की थी। साथ ही उनकी समस्याओं को सुना था।

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): यमुना नदी के तट पर सराय काले खां स्थित दिल्ली के पहले बैम्बू पार्क बांसेरा में 13 और 14 जनवरी को अंतरराष्ट्रीय पतंग उत्सव के उपलक्ष्य में 'पतंग उत्सव' मनाया जाएगा। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की ओर से आयोजित किए जा रहे इस उत्सव में कई प्रमुख आकर्षण होंगे, जिनमें एक थीम पवेलियन भी शामिल होगा, जिसे पतंग के इतिहास को प्रदर्शित करने के लिए स्थापित किया जाएगा। वहीं पतंग गैलरी के रूप में युद्ध के समय में पतंग के उपयोग, लड़ाकू पतंग, भारत में पतंग के महत्व आदि को दर्शाया जाएगा। लोगों के लिए पतंग खरीदने और उड़ाने और दिल्ली के आसमान को विभिन्न रंगों से सजाने के लिए एक क्लासिकल पतंग बाजार भी शुरू किया जाएगा। पेशेवर पतंगबाज इस उत्सव में नवीन पतंगों का प्रदर्शन करेंगे। इसके अतिरिक्त, भारत की सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करने वाले लोक कलाकारों के सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ-साथ जनता के लिए पारंपरिक भोजन और हस्तशिल्प स्टॉल भी लगाए जाएंगे। बच्चों के लिए किड्स ज़ोन के रूप में विशेष गतिविधियों की भी योजना बनाई गई है।

लोहड़ी, मकर संक्रांति, बिहू और पोंगल के शुभ अवसर पर त्योहार का आनंद लेने के लिए लोगों द्वारा अपने परिवार और बच्चों के साथ उत्सव में आना एक उत्कृष्ट मनोरंजनात्मक अवसर होगा। शनिवार को इस बाबत जानकारी देते हुए डीडीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यमुना बाढ़ के मैदानों की पारिस्थितिकीय विशिष्टता को बढ़ाने और इसे



एक मनोरंजनात्मक और सांस्कृतिक स्थल के रूप में आकर्षक बनाकर लोगों के लिए इसे और अधिक अनुकूल बनाने के लिए उपराज्यपाल (एलजी) सक्सेना ने अगस्त 2022 में बांसेरा की नींव रखी थी और इसे सिर्फ 6 महीने के रिकॉर्ड समय में विकसित किया गया था। असम से लाए गए विशेष किस्म के 25,000 से अधिक बांस के पौधे यहां लगाए गए थे। बांसेरा का लक्ष्य एक तरफ दिल्ली के लोगों को राजधानी में अति आवश्यक सार्वजनिक स्थल प्रदान करना है और यह भी सुनिश्चित करना है कि बाढ़ के मैदान की समृद्ध जैव विविधता संरक्षित रहे और इसकी देखरेख की जाए। अधिकारी ने बताया कि यमुना नदी के बाढ़ के मैदानों के पुनरुद्धार और कायाकल्प के लिए डीडीए की प्रसिद्ध परियोजनाएं बाढ़ के मैदानों की पारिस्थितिकीय विशिष्टता को बढ़ाने और उन्हें बड़े पैमाने पर जनता के लिए सुलभ बनाने की पहल के रूप में चलाई जा रही हैं।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

amarujala.com

NAME OF NEWSPAPERS- रविवार, 7 जनवरी 2024

DATED

उत्सव पतंग के इतिहास को प्रदर्शित करने वाली थीम पर बनेगा पवेलियन बांसेरा बैम्बू पार्क में आयोजित होगा पतंग उत्सव

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। यमुना के तट पर सराय काले खां में दिल्ली के पहले बांसेरा बैम्बू पार्क में 13 और 14 जनवरी को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय पतंग उत्सव आयोजित होगा। डीडीए द्वारा आयोजित किए जा रहे इस उत्सव में कई प्रमुख आकर्षण होंगे।

पतंग के इतिहास को प्रदर्शित करने के लिए एक थीम पवेलियन बनेगा। पतंग गैलरी के रूप में युद्ध के समय में पतंग के उपयोग, लड़ाकू पतंग, भारत में पतंग के महत्व इत्यादि की दर्शाया जाएगा। लोगों के लिए पतंग खरोदने, उड़ाने और आसमान को विभिन्न रंगों से सजाने के लिए एक



पारंपरिक भोजन और हस्तशिल्प स्टॉल, सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे

क्लासिकल पतंग बाजार भी लगाया जाएगा। पेशेवर पतंगबाज इस उत्सव में पतंगों के करतब दिखाएंगे। इसमें, भारत की सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करने वाले रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए

जाएंगे, उत्सव में पारंपरिक भोजन और हस्तशिल्प के स्टॉल भी लगाए जाएंगे। बच्चों के लिए किड्स ज़ोन होगा, जिसमें विशेष गतिविधियां होंगी। लोहड़ी, मकर संक्रांति, बिहू और पोंगल के शुभ अवसर पर इन सभी त्योहारों का सामूहिक रूप से लोग यहां आनंद उठा पाएंगे। परिवार और बच्चों के साथ उत्सव में आने का अच्छा मौका रहेगा। यमुना बाढ़ क्षेत्र में पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के साथ एक मनोरंजक और सांस्कृतिक स्थल के रूप में विकसित करने के लिए करीब सालभर पहले बांसेरा की नींव रखी गई। इसे सिर्फ छह महीने के रिकॉर्ड समय में विकसित किया गया।

डीएम आज करेंगे गांवों में रात्रि प्रवास

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के सभी जिलाधिकारी रविवार को गांव में रात्रि प्रवास प्रवास करेंगे। इस दौरान गांव वालों की समस्या को सुनेंगे और उनकी समस्या को दूर करने की दिशा में काम करेंगे। इसे लेकर दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने आदेश जारी किया है। आदेश के तहत सात से आठ जनवरी तक चयनित गांवों का दौरा करेंगे और रात्रि प्रवास करेंगे।

आदेश में कहा गया है कि दो जनवरी को संवाद कार्यक्रम के दौरान एलजी ने इसे लेकर आदेश दिया था। साथ ही कहा था कि 800 करोड़ से अधिक रुपये की लागत से गांव में

एलजी ने दिए आदेश, संवाद कार्यक्रम के तहत लोगों की सुनेंगे समस्याएं

विकास कार्य किए जाएंगे। दिल्ली ग्रामोदय अभियान के तहत होने वाले विकास कार्य के लिए ग्रामीणों से सुझाव दिया है।

अधिकारियों ने बताया कि डीएम सुबह 11 बजे से शुरू होने वाले पहले तीन घंटों में गांवों के निवासियों के साथ संवाद करेंगे। दोपहर तीन बजे से शाम छह बजे तक डीडीए, राजस्व, दिल्ली जल बोर्ड और एमसीडी सहित अन्य संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ उन क्षेत्रों का निरीक्षण करेंगे। साथ ही उक्त क्षेत्र में

साथ रुकेंगे अधिकारी

एलजी के आदेश के बाद दिल्ली के 11 गांव में जिलाधिकारी के साथ एक-एक आईएएस अधिकारी भी रुकेंगे। अधिकारी डीएम के साथ मिलकर रविवार सुबह से सोमवार सुबह तक स्थानीय लोगों के चुनौतियों और सामाजिक-आर्थिक स्थितियों का जमीनी आकलन करेंगे। साथ ही गांव के विकास के लिए काम करेंगे।

चल रहे विकास कार्य का जायजा लेंगे। शाम छह बजे से सात बजे तक निवासियों के साथ 'चर्चा' करेंगे। साथ ही उनकी शिकायतें और प्रतिक्रिया साझा करेंगे।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY

PRINTING SERVICE
sunday pioneer

11 SUNDAY | JANUARY 7, 2024

DDA to host 2 days kite festival at Baansera

STAFF REPORTER ■ NEW DELHI

The age old sport of flying kites may make its presence in a different avatar in Delhi this time. The Delhi Development Authority (DDA) will host a two-day kite festival at a sustainability-themed bamboo park here next week. International kite festival 'Patang Utsav' will be held on January 13-14 at 'Baansera' bamboo park, located at Sarai Kale Khan on banks of river Yamuna. The festival will have major attractions including a theme pavilion, which will be set up for displaying "history of kites, in the form of a kite gallery showing use of kites during times of war, fighter kites, significance of kites in India," a senior official said. A classical 'Patang Bazaar' would also be put up for people to buy kites, the DDA said in a statement, adding, "professional kitists will be coming to the festival showcasing innovative kites". Additionally, traditional food and handicrafts stalls shall also be set up for public along with cultural performances by folk artists showcasing India's cultural diversity.

Exclusive activities have been planned for kids as well in the form of a kids zone, the officials said. "It will be an excellent recreational opportunity for people to visit the festival along with their family and kids to enjoy the festival on the auspicious occasion of Lohri, Makar Sankranti, Bihu and Pongal," it added. Makar Sankranti falls on January 14, and a large number of people fly kites in various parts of the country on that day.

To enhance the ecological character of Yamuna



floodplains and make it more people friendly by making it attractive as a recreational and cultural venue, Delhi Lt Governor Vinai Kumar Saxena had laid the foundation of 'Baansera' in August 2022 and it was developed in six months. More than 25,000 special variety of Bamboo saplings, brought from Assam were planted here. 'Baansera' aims at providing the people of Delhi with the much needed public spaces in the capital on one hand, and also ensure that the rich biodiversity of the flood plain is preserved and maintained, the official said.

DDA's projects for restoration and rejuvenation of the floodplains of the Yamuna are being carried out as an initiative to enhance the ecological character of the floodplains and to make them accessible to the public at large. The 'Baansera' project, conceived and led by the LG himself, will take such initiatives to the next level, the officials said. In September 2023, Saxena had inaugurated a musical fountain at 'Baansera'.

11 DMs, IAS officers to camp overnight in villages today

STAFF REPORTER ■
NEW DELHI

In an effort to take stock of the condition of villages in Delhi and chalk out development plans in consultations with the residents, 11 respective District Magistrates (DM) and senior IAS officers will camp overnight in selected villages from Sunday till Monday.

With a view to comprehensively develop villages in Delhi Lieutenant Governor Vinai Kumar Saxena has asked all the departments to depute senior officers for one night stay for a ground assessment of challenges and socio-economic conditions faced by people living in villages facing. This exercise comes after Delhi Lieutenant Governor Vinai Kumar Saxena's announcement on January two after a Samvaad @ Raj Niwas with representatives from 180 villages, that respective District Magistrates (DMs) and senior IAS officers will be staying overnight in villages in their districts.

These officers will give a practical prescription for all round development and main streaming of villages.

Based on their report, the village development plan should incorporate all their focused activities for infrastructure development, economic activities promotion, and creating linkages for marketing of village products.

The exercise aims at chalking out the restoration and development plan for Delhi's villages, in consultation with the villagers, under the ambitious 'Dilli Gramoday

Abhiyan', being executed by Delhi Development Authority (DDA) at a cost of more than Rs 800 crores.

The selected villages in the 11 districts are Baprola, Tatesar Rural, Kheda Dabar, Fatehpur Beri, Pul Prahladpur, Chilla Saroda Bangar, Babarpur, Baquiabad, Jagatpur, Samalkha and Palla, officials said here on Saturday.

On day one of their visit in the morning, the DMs and senior officials will hold 'Samvaad' with residents of the villages where they are staying as well as those in the neighbourhood over the first 03 hours, starting at 11 AM.

From 3:00 pm to 6:00 pm they will be visiting important sites for inspection as per the works identified during the preceding 'Samvaad' along with all officers concerned of various line departments, which include DDA, Revenue, DJB and MCD.

From 6:00 pm to 7:00 pm, a 'Charcha' by night fire will be held along with all residents where they will be asked to share their grievances and feedback.

After breaking for the intervening night between 07.01.2024 and 08.01.2024, in the identified village they will again resume the second round of 'Samvaad' between 7:00 am to 11:00 am to share the tentative roadmap for the development of the villages, at different locations.

Continuing with his interactive dialogue series — Samvaad @ Raj Niwas, Saxena had interacted with over 500 villagers representing 180 villages in the Capital on January two.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

Sunday, January 7, 2024

DELHI

NAME OF NEWSPAPERS- THE HINDU

DATED

DMs to spend night at villages today as part of L-G's ₹800-crore infra push

The Hindu Bureau
NEW DELHI

All 11 District Magistrates in the national capital will spend the night at Delhi villages on Sunday, a first-of-its-kind initiative in the Capital aimed at holding consultation with villagers to prepare development plans for rural areas.

The initiative was announced on January 2 by Lieutenant-Governor V.K. Saxena after he met representatives from 180 villages under the programme, 'Samvaad@Raj Niwas'.

According to Raj Niwas officials, the exercise is aimed at chalking out a restoration and development plan for Delhi villages under the ambitious 'Dilli Gramoday Abhiyan',



The exercise has been initiated on the directions of L-G V.K. Saxena for the implementation of the 'Dilli Gramoday Abhiyan'. FILE PHOTO

which is being executed by the Delhi Development Authority (DDA) at a cost of over ₹800 crore.

The L-G is the chairman of the DDA.

The villages where the DMs will be staying include Baprola, Tatesar (Rural),

Kheda Dabar, Fatehpur Beri, Pul Prahladpur, Babarpur, Baquiabad, Jagatpur Samalkha, and Palla.

To assess shortcomings

The DMs will also carry out inspections from 3 p.m. to 6 p.m. to identify the deve-

lopment works that need to be done in the villages, an official said, adding that the L-G had asked the officers to make assessments of challenges and socio-economic conditions faced by people living in villages.

From 6 p.m. to 7 p.m., they will hold discussions with villagers around a bonfire and ask them to share their grievances and feedback. "These officers will give a practical prescription for all-round development and mainstreaming of villages," an official added.

The official said that based on their report, a plan will be prepared for infrastructure development and promotion of economic activities in Delhi villages.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPER: 8 जनवरी • 2024

राष्ट्रीय

सहारा

ग्रामोदय अभियान के तहत सांसदों ने किया गांवों में संवाद



अपने संसदीय क्षेत्र के गांवों में रविवार को अफसरों के साथ लोगों से संवाद करते सांसद रमेश बिधूड़ी (बाएं) व प्रवेश साहिब सिंह वर्मा।

फोटो: एसएनबी

■ सहारा न्यूज ब्यूरो नई दिल्ली।

दिल्ली ग्रामोदय अभियान के तहत रविवार को सांसद रमेश बिधूड़ी प्रहलादपुर गांव में वहीं सांसद प्रवेश साहिब सिंह ने अपने संसदीय क्षेत्र पश्चिमी दिल्ली लोकसभा में गांवों में जाकर संवाद किया।

प्रवास के दौरान सांसद रमेश बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली राजधानी में 360 गांव हैं। इस गांवों में रह रहे दिल्ली के मूल निवासी किस प्रकार देश की राजधानी में राज्य सरकार की अनदेखी के कारण नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। बिधूड़ी ने कहा कि बुजुर्गों के लिए

बैठने के स्थान नहीं, बच्चों के खेलने के लिए क्रीड़ा स्थल नहीं, अधिकतर गांवों की ग्राम पंचायत की जमीन डीडीए ने कब्जे में कर ली है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने गांवों का

■ रमेश बिधूड़ी प्रहलादपुर गांव व प्रवेश वर्मा में गांवों में प्रवास पर रहे

दौरा कर खस्ता हाल देखकर निर्णय लिया कि ग्रामोदय अभियान जनप्रतिनिधि प्रत्येक सप्ताह उच्च अधिकारी रात को किसी गांव में प्रवास करेंगे। इसी कड़ी में पुल प्रहलादपुर गांव में जिला अधिकारी दक्षिण-पूर्व क्षेत्र ईशा खोसला व डीएसआईडीसी प्रमुख संजीव मित्तल एवं फतेहपुर बेरी गांव

में जिलाधिकारी दक्षिण क्षेत्र एमसी प्रसाद का प्रवास रहा, जिसमें चौपाल पर एकत्रित गांव वालों की समस्याओं को सुना तथा उन्हें नोट किया गया।

उधर सांसद प्रवेश साहिब सिंह ने आज

अधिकारियों ने साथ अपने संसदीय क्षेत्र के गांव खेड़ा डाबर, जाफरपुर कलां, उजवा, समसपुर खालसा, बापरोला, बक्करवाला, रणहौला और कोटला में ग्रामीणों से संवाद किया। सांसद ने गांववासियों की मांग के अनुसार गांव के महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण किया। जहां-जहां युवाओं के लिए

स्टेडियम बनवाने, यूनिवर्सिटी बनवाने, पानी की समस्या, चौपाल की मरम्मत, द्यूबल की समस्या, सामुदायिक भवन बनाने व मरम्मत, पार्क बनाने, सड़क बनाने, तालाब का सौन्दर्यीकरण करने, स्कूल की चारदीवारी, नाले की समस्या कूड़े की समस्या व अन्य मांगों के अनुसार उस स्थान को चिन्हित कर अधिकारियों को करवाई करने के आदेश दिये। कार्यक्रम में डीएम लक्ष्म सिंहल, एसडीएम ममता यादव, सम्बंधित सभी अधिकारी, जिला अध्यक्ष रमेश शौकंद, निगम पार्षद नीलम कृष्ण, पूर्व निगम पार्षद सतपाल मलिक व भाजपा के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS-----

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI
SATURDAY, JANUARY 6, 2024

DATED-----

Set up joint panel to enforce rainwater harvesting norms, DPCC urges NGT

Priyangi.Agarwal@timesgroup.com

New Delhi: The Delhi Pollution Control Committee (DPCC) has requested the National Green Tribunal (NGT) for the formation of a joint committee for the coordination and implementation of the rainwater harvesting (RWH) norms in the city.

In a report submitted to the tribunal on Thursday, DPCC said the Municipal Corporation of Delhi (MCD) would identify all buildings with an area over 100 sqm where the installation of RWH pits was mandatory as per the building bye-laws. The report was filed after a committee had last year found contamination in water samples of 180 societies in Dwarka due to faulty RWH systems.

DPCC said Delhi government had recommended imposing an environmental compensation (EC), ranging from Rs 50,000 to Rs 5 lakh, on the defaulters. It added that for a plot size of 100-500 sqm, EC would be Rs 50,000. It will be Rs 1 lakh for buildings spread over 501-

DPCC REPORT SAYS

For non-residential purposes, the fine may be enhanced by 50%. The proposed EC will be imposed by Delhi Jal Board, DPCC, district magistrate and the municipal zonal deputy commissioner in their territorial jurisdictions

2,000 sqm, Rs 2 lakh for areas over 2000-5000 sqm, and Rs 5 lakh for 5,000 sqm and above.

"For non-residential purposes, the fine may be enhanced by 50%. The proposed EC will be imposed by the Delhi Jal Board, DPCC, district magistrate and the municipal zonal deputy commissioner in their territorial jurisdictions," the report stated.

It added, "The proposed joint committee comprising representatives of divisional commissioner, Delhi Development Aut-

hority, Delhi Jal Board and MCD will coordinate and ensure implementation of various orders of NGT and the Central Groundwater Authority. The committee will operate under the chairmanship of the divisional commissioner of DJB as the member convener and it will present an action-taken report to the chief secretary on the first month of every quarter."

MCD will prepare a list of all buildings in Delhi, along with the area, to determine which category they will fall into, DPCC said. DJB will provide technical assistance for RWH inspection and installation, while the deputy commissioners in all districts will ensure installation by carrying out inspections.

A report filed by a joint committee in NGT dated May 17, 2023 had stated that the total number societies in Dwarka were 354, and the water samples from 180 societies were found contaminated with the high presence of ammoniacal nitrogen and total dissolved solid in water samples.

Hindustan Times

NEW DELHI
SATURDAY
JANUARY 06, 2024

DDA flat sold for ₹5.77 cr

HT Correspondent

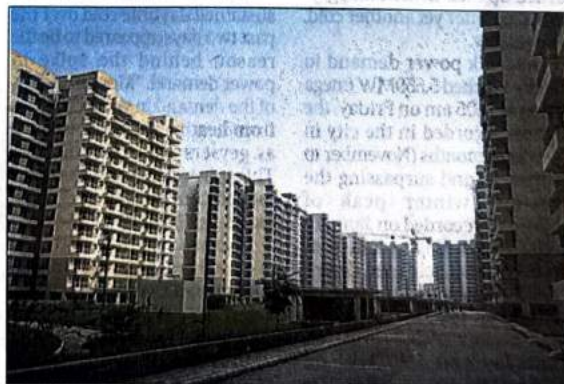
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Seven of the 14 penthouses that the Delhi Development Authority (DDA) offered for sale via e-auction have been sold, officials aware of the matter said on Friday, adding that the highest bid received for one of the flats was ₹5.77 crore.

These penthouses — four-bedroom duplex apartments in Dwarka Sector 19B with a plinth area of 424 sqm — had a reserve price of ₹5 crore, the highest price at which DDA has launched any residential property in the city.

Apart from the seven penthouses, DDA sold 267 other apartments — 138 super high income (SHIG) flats, and 129 from the middle income group (MIG) category.

The highest bid for an SHIG flat — priced at a base reserve



DDA flats at Dwarka's Sector 19B.

SANCHIT KHANNA/HT PHOTO

price of ₹2.5 crore — was ₹4.52 crores, DDA said.

"There was a healthy response from bidders, with the premium received being as much as 80% higher than the reserve price in cases," said a DDA official.

The remaining penthouses will now be up for auction on a date to be decided by the authority soon.

A total of 946 HIG apartments with a base price of ₹1.4 crore, will meanwhile, be up for auction on Saturday, officials said.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

LIBRARY

PRESS CLIPPING SERVICE

* THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI
SATURDAY, JANUARY 6, 2024

OF NEWSPAPERS

DATED

Day 1: E-auction of DDA flats sees fierce bidding

Vibha.Sharma@timesgroup.com

New Delhi: The first day of e-auction of Delhi Development Authority's flats in MIG, super HIG and penthouse categories showed an encouraging response on Friday.

The authority managed to book 274 out of 296 flats offered in a bidding process, which included 129 MIG flats, 138 super HIG flats and seven penthouses.

"There was fierce competition among the bidders during the entire process, signifying high demand for DDA flats. So much so that premium was received in 80% cases. Bold decisions taken at the behest of lieutenant governor VK Saxena in terms of relaxing the eligibility criteria and other norms, coupled with an aggressive outreach campaign, made a substantial difference," said DDA officials.

On Friday, 135 MIG flats were offered in e-auction in Dwarka Sector 14, 10 MIG flats in Loknayakpuram, 144 super HIG in Dwarka Sector 19B and seven penthouses in the same sector. Of them, 124 MIG flats were booked in Dwarka Sector

DDA OFFICIALS SAY

There was fierce competition among the bidders during the entire process, signifying high demand for DDA flats. So much so that premium was received in 80% cases. Bringing in reforms, relaxing eligibility criteria & having an aggressive outreach campaign made a difference

14, five MIG flats in Loknayakpuram, 138 super HIG in Dwarka Sector 19B and all penthouses in the same sector.

Against the reserve prices of Rs 171.4 crore kept for 124 MIG flats in Dwarka Sector 14, DDA managed to get Rs 177.7 crore. In case of 5 MIG flats in Loknayakpuram, against the total reserved price of Rs 5.91 crore, DDA received Rs 5.93 crore. For 138 flats in super HIG category in Dwarka, against the reserve price of Rs 344.4 crore, DDA received Rs 405.9 crore as the highest price. Finally, for seven penthouses, against the reserve price of Rs 35 crore, DDA received Rs 37.1 crore.

That means the total highest price received from 274 flats was Rs 626.8 crore in comparison to Rs 556.8 crore reser-

ved price, said the official.

"The highest bid received for a penthouse and for a super MIG flat was Rs 5.7 crore and Rs 4.5 crore, respectively," said the official further.

The authority is conducting the live e-auction of 2,093 flats in different categories for the first time and keeping different timings, days for their e-auctioning to prevent server issues and other confusion.

On Friday, for penthouses and MIG flats, the e-auction took place from 11 am to 12 pm. For the super HIG category, the auction was carried out from 3 pm to 4 pm. For all flats in the HIG category, e-auction will happen on January 6 from 11 am to 12 pm for batch 1 and at 3 pm for batch 2, stated the authority.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

दैनिक जागरण नई दिल्ली, 6 जनवरी, 2024

नवभारत टाइम्स | नई दिल्ली | शनिवार, 6 जनवरी 2024

डीडीए के पेंटहाउस को लेकर उत्साहजनक नहीं रहा रुझान

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली: दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की दीवाली विशेष स्कीम भी अपेक्षा के अनुरूप बहुत बढ़िया प्रदर्शन करती नजर नहीं आ रही है। आलम यह है कि पहली बार शामिल किए गए पेंटहाउस को लेकर भी ई-नीलामी में अच्छा रुझान देखने को नहीं मिला। कुल पंद्रह पेंटहाउस में से लगभग सात की ही बुकिंग होने की जानकारी ई-नीलामी के बाद सामने आई है। शुक्रवार को हुई नीलामी प्रक्रिया में कुल 2093 में से 274 फ्लैटों की बुकिंग हुई। बाकी बचे हुए फ्लैटों को लेकर शनिवार को भी ई-नीलामी की जानी है।

अधिकारियों के मुताबिक ई-नीलामी के दौरान कुछ फ्लैटों में डीडीए को 80 प्रतिशत तक प्रीमियम भी मिला है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को हुई नीलामी में 129 एमआइजी, 138 सुपर एचआइजी और सात पेंटहाउस की बुकिंग हुई है। माना जा रहा है कि यह बुकिंग डीडीए फ्लैटों की बिक्री के तौर पर देखी जा रही है। डीडीए के अनुसार ई-नीलामी प्रक्रिया में कुल 3055 आवेदकों ने आवेदन किया है। इन आवेदकों ने निर्धारित फ्लैटों के लिए राशि (ईएमडी चार्ज) का भुगतान कर दिया था। कारण, ई-नीलामी की

• ई-नीलामी में 2093 में से बिके 274 फ्लैट, आज भी होगी बिक्री

• 129 एमआइजी, 138 सुपर एचआइजी और सात पेंटहाउस की बुकिंग हुई

प्रक्रिया में शामिल होने के लिए सबसे पहली शर्त डीडीए ने संबंधित फ्लैटों के लिए बयाना राशि जमा (ईएमडी) शुल्क जमा करना जरूरी बताई थी।

डीडीए ने 2093 नए बने हुए फ्लैटों के आवंटन के लिए शनिवार की सुबह 11 बजे ई-नीलामी प्रक्रिया शुरू की, जिसे दो अलग-अलग चरण में पूरा किया गया। इस नीलामी प्रक्रिया में शामिल लगभग सभी फ्लैट तैयार हैं या जल्द ही तैयार होने वाले हैं। जल्द ही कब्जे के लिए उपलब्ध होंगे। ये फ्लैट्स द्वारका (सेक्टर 19 बी और 14) और लोकनायकपुरम में स्थित हैं। गौरतलब है कि इस ई-नीलामी में प्रीमियम फ्लैटों के बिक्री की स्कीम डीडीए ने 30 नवंबर 2023 को दिवाली विशेष आवासीय योजना 2023 (ई-नीलामी) के जरिये शुरू की थी। इसमें ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि 29 दिसंबर थी और आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि एक जनवरी 2024 थी।

DDA : फ्लैट्स में सुपर HIG सबसे ज्यादा हुए बुक

विस, नई दिल्ली : डीडीए की लग्जरी फ्लैट्स की स्कीम में सबसे बेहतर रियासत सुपर एचआईजी फ्लैट्स को मिला है। वहीं, इस सेगमेंट में एमआईजी के फ्लैट्स को लोगों ने नकार दिया। ई-ऑक्शन में एमआईजी के 13 प्रतिशत फ्लैट्स ही बुक हो पाए हैं। दूसरे चरण के लिए एचआईजी फ्लैट्स के ई-ऑक्शन की प्रक्रिया शनिवार को पूरी होगी। एचआईजी के 946 फ्लैट्स का ई-ऑक्शन शनिवार को होगा। डीडीए अधिकारी के अनुसार ई-ऑक्शन प्रक्रिया से डीडीए में पहली बार फ्लैटों का आवंटन किया गया है। शुक्रवार को ई-ऑक्शन प्रक्रिया के तहत पेंटहाउस, सुपर एचआईजी और एमआईजी के लिए बोलियां लगीं। प्रीमियर फ्लैट वाली इस स्कीम में कुल 2093 फ्लैट्स का ई-ऑक्शन होना है। शुक्रवार को द्वारका सेक्टर-14 के 316 और लोकनायक पुरम के 647 एमआईजी फ्लैट्स को ई-ऑक्शन में रखा गया था। कुल 274 फ्लैट्स बुक हुए हैं। 963 में से सिर्फ 129 एमआईजी के, 170 में से 138 सुपर एचआईजी के और 14 में से 7 पेंटहाउस बुक हो चुके हैं।

WWW.INDIANEXPRESS.COM

THE INDIAN EXPRESS, SATURDAY, JANUARY 6, 2024

DDA to organise two-day Patang Utsav at Baansera

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Delhi Development Authority will organise a two-day international kite festival 'Patang Utsav' at Baansera, the city's first bamboo park at Sarai Kale Khan, on January 13-14.

A pavilion displaying the history of kites, classical Patang Bazaar to buy and fly kites, traditional food and handicrafts stalls, cultural performances and interesting activities for kids would be added attractions of the festival. DDA will bring professional artists from Gujarat for flying and displaying huge kites.

"The pavilion or gallery will basically highlight the use of kites in the times of war, fighter kites, significance of kites in India etc. Professional artists will also share details of innovative kites. At the festival, cultural performances by folk artists show-



PLAYING HOST

casing India's cultural diversity will be other attraction. Overall, the festival will be an excellent recreational opportunity for people...on the auspicious occasion of Lohri, Makar Sankranti, Bihu and Pongal," said official.

To enhance the ecological character of Yamuna floodplains and make it more people friendly, lieutenant governor VK Saxena had laid the foundation of 'Baansera' in August 2022 and the same was developed in just six months. Over 25,000 special varieties of bam-

boo saplings brought from Assam were planted here.

"The place can provide much needed public spaces in the middle of the capital. The Authority has ensured that the rich biodiversity of the floodplain is preserved and maintained at this place," said the official.

This year, apart from New Delhi Municipal Council areas, DDA will plant at least 1 lakh bulbs of tulips and most of them at Baansera, followed by Asita and 18 parks. "We have also planted seasonal flowers at Baansera and some varieties have already bloomed. We are expecting heavy footfall here in the coming spring season," added the official.

While entry to the festival will remain ticketed, the authority has planned various arrangements for visitors to the park, DDA's ambitious project for restoration and rejuvenation of the Yamuna floodplains.

हिन्दुस्तान

डीडीए के 274

लग्जरी फ्लैट बुक

नई दिल्ली (व.सं.)। डीडीए ने 2 हजार से अधिक आरामदायक फ्लैटों के लिए शुक्रवार को ई-नीलामी की ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू की। इसमें लोगों ने फ्लैटों के लिए डीडीए की वेबसाइट में ऑनलाइन माध्यम से बोलियां लगाईं। शुक्रवार को हुई ई-नीलामी में कुल 274 आरामदायक (लग्जरी) फ्लैटों को आवेदनकर्ताओं ने बुक कराया।

डीडीए के अधिकारियों के अनुसार, 129 एमआईजी फ्लैटों को, 138 सुपर एचआईजी फ्लैटों को और 7 पेंटहाउस को आवेदनकर्ताओं ने ई-नीलामी में बुक कराया है।

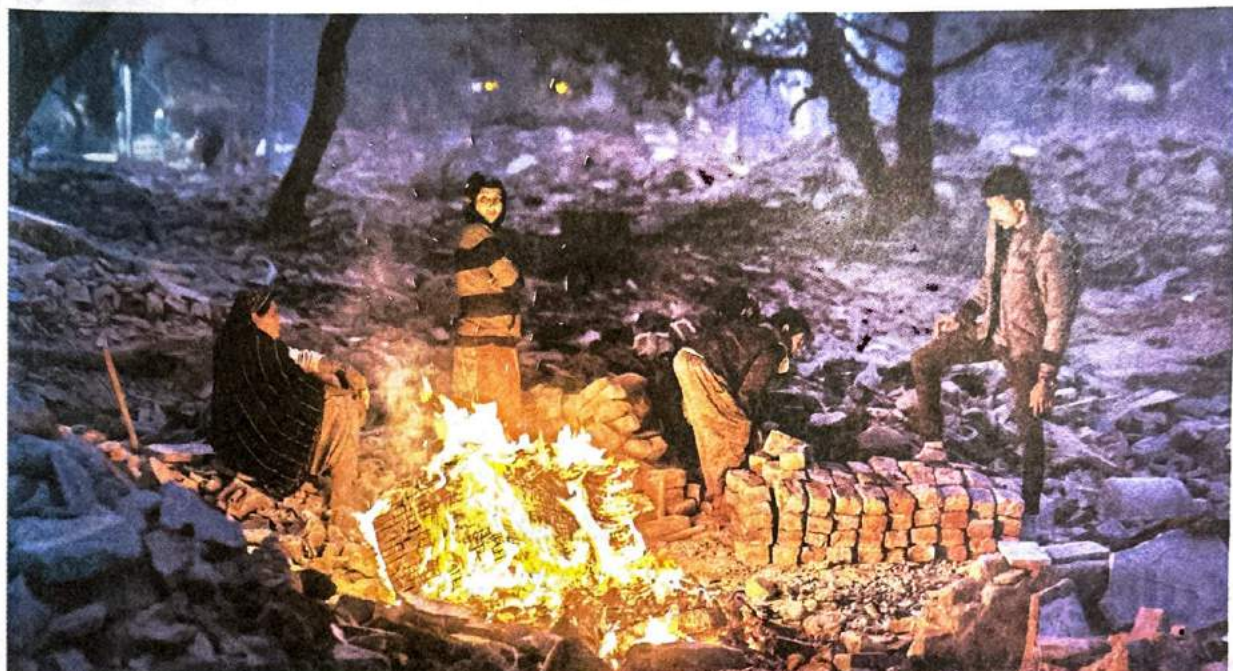
DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY

PRESS CLIPPING SERVICE

THE SUNDAY EXPRESS, JANUARY 7, 2024

ANTI-POLLUTION CURBS IN PLACE, COULDN'T CARRY OUT DRIVE IN NOVEMBER: OFFICIALS

Houses razed in demolition drives across capital, several left homeless in biting cold



Amit Mehra



Residents at Nizamuddin and Khirki Extension (left) live on the rubble that was their homes. Tashi Tobgyal

SAMAN HUSAIN
NEW DELHI, JANUARY 6

THE ROOF over their heads demolished amid the biting cold of December, anti-encroachment drives over the last few weeks have forced several Delhi residents into huddles around small fires over the rubble of what used to be their homes.

At least two 'cold days', when the temperature was below normal maximum temperatures, were logged last week with no signs of the mercury letting up. As per the weather forecast, the maximum temperature is expected to be around 16 degrees Celsius over the next week.

On December 21, the Municipal Corporation of Delhi (MCD) demolished nearly 300 houses near DPS Mathura Road in Nizamuddin. Pointing to a bed covered in debris, 39-year-old Lalita Devi recounted the pain

and shock of witnessing the destruction of her home. "I had just returned from my parents' house when I saw bulldozers gathering to demolish our homes. I hurried to salvage what I could, but my home had turned to rubble."

What added to her anguish was the recent investment of their life savings into renovating the same house. "We had put everything we had into making our house better... We owned a perfume shop next to our house... it was our only source of income which we also lost during the demolition," she said.

MCD sources said 50 workers, eight trucks, and two anti-smog guns along with police personnel, were deployed to clear the settlement. The exercise, sources said, was carried out on the basis of satellite imagery indicating the absence of any settlement before 2006 in the area.

Asked why it was done during winter, sources in the civic

body said demolitions could not take place in November due to GRAP III guidelines (under which construction and demolition activities are barred) being in place to curb pollution. Since the guidelines were revoked, sources said some 300 structures have been demolished. "In many instances, people encroached upon agricultural land to build their houses. The main objective behind this action is to dissuade property dealers and to create awareness among the general public against buying such plots," sources said.

However, 22-year-old Moin Uddin claimed his family's ties to the land span nearly four decades. "They asked for our address proof just before Diwali. We provided it, but they still razed our homes... the first electricity meter was installed here in 1993, there were public toilets, roads were also maintained by the MCD, but they still claimed this settlement is illegal," he alleged.

Residents claimed they approached shelters under the Delhi Urban Shelter Improvement Board (DUSIB) for rehabilitation, but got no help. Sitara Begum said, "My husband's health is deteriorating, there is no bed to sleep on, no utensils to cook or eat in... Shelters are refusing to accommodate us."

When *The Indian Express* reached out to DUSIB members, they acknowledged the issue but offered no immediate resolution, citing the need for further investigation.

Near Sai Mandir in Malviya Nagar's Khirki Extension, a densely populated region in South Delhi, around five homes were demolished by the MCD and DDA on December 6.

"Five families have called this place their home for the past 40-45 years. While some returned to their villages, we have nowhere else to go, even the elderly are forced to sit without a roof in this

cold," said Raj Kumar, who is currently in recovery from a heart attack he had last month.

"We had no clue the demolition would take place, I was cooking when bulldozers along with police personnel arrived... we didn't get the time to save our belongings..." Chandrawati alleged.

MCD sources said the settlement was cleared as it was encroaching on its land. The DDA PRO did not respond to calls and messages seeking comment.

Indu Prakash Singh, an activist who works for the homeless, said, "The Supreme and High Courts have earlier emphasised on not conducting demolitions during severe weather conditions. Moreover, DUSIB's 2015 policy clearly outlines the necessity to resettle affected individuals within a 5-km radius before any demolitions occur... Failure of the government to provide adequate housing is leading to encroachments..."

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS **दैनिक जागरण** नई दिल्ली, 7 जनवरी, 2024)ATED-----

11 जिलों के डीएम करेंगे गांवों में रात्रि प्रवास

आज व कल रहेगा प्रवास कार्यक्रम, ग्रामीणों से **संवाद** करेंगे व गांवों के विकास की योजना तैयार करेंगे

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली: उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दो जनवरी को 180 गांवों के प्रतिनिधियों के साथ राजनिवास में संवाद के बाद संबंधित जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) को अपने क्षेत्र के गांवों में रात भर रुकने का निर्देश दिया था। जिस पर सभी 11 जिलों के डीएम चयनित गांवों में आज सुबह गांववासियों से संवाद करेंगे। रात्रि विश्राम कर आठ जनवरी सुबह तक रुकेंगे। हर गांव में डीएम के साथ ही एक वरिष्ठ आइएएस भी रुकेंगे, जिन्हें दिल्ली सचिवालय की ओर से नियुक्त किया गया है। इस अभ्यास का उद्देश्य डीडीए की ओर से 800 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से क्रियान्वित महत्वाकांक्षी "दिल्ली ग्रामोदय अभियान" के तहत ग्रामीणों के परामर्श लेना है, जिसके बाद दिल्ली के गांवों के लिए विकास योजनाएं तैयार करना है।

प्रस्तावित योजना के अनुसार अपने दौरे के पहले दिन डीएम सुबह 11 बजे से इस काम में जुट जाएंगे। पहले तीन घंटे ग्रामीणों के साथ 'संवाद' करेंगे। जिस गांव में संवाद होगा, उसके साथ ही आसपास के गांवों के लोगों को भी शामिल किया जाएगा। अपराह्न तीन से शाम छह बजे तक डीडीए, राजस्व, डीजेबी और एमसीडी आदि विभागों के अधिकारियों के साथ संवाद के दौरान पहचाने गए कार्यों

इन गांवों में जाएंगे डीएम और आइएएस

गांव: पल्ला, डीएम: यश चौधरी

वरिष्ठ आइएएस: एसबी दीपक कुमार

गांव: चातेसर, डीएम: अंकिता आनंद

वरिष्ठ आइएएस: वीएस मलिक

गांव: बापरोला, डीएम: किन्नी सिंह

वरिष्ठ आइएएस: आर मेनका

गांव: खेड़ा डाबर

डीएम: लक्ष्म सिंघल

वरिष्ठ आइएएस:

केएस मीना

गांव: समालखा

डीएम: संतोष कुमार राय

वरिष्ठ आइएएस: एके गुप्ता



गांव: जगतपुर, डीएम: अरुण कुमार
वरिष्ठ आइएएस: अजीमुल हक

गांव: बाकियाबाद, डीएम: अरुण मिश्रा,
वरिष्ठ आइएएस: दानिश असरफ

गांव: बाबरपुर, डीएम: ऋषिता गुप्ता
वरिष्ठ आइएएस: पंकज कुमार

गांव: विल्ला सरोदा बांगर, डीएम: अनिल बंका,
वरिष्ठ आइएएस: अजय कुमार बिष्ट

गांव: पुल प्रह्लादपुर, डीएम: ईशा खोसला,
वरिष्ठ आइएएस: संजीव मितल

11 बजे सुबह से कार्ययोजना में जुट जाएंगे अधिकारी

06 बजे शाम से सात तक शिकायतें सुनी जाएंगी

प्रशासनिक अमला साथ होगा

- डीडीए, एमसीडी, पीडब्ल्यूडी, डीजेबी, आइएडएफसी अधिकारी टीम के मौजूद रहेंगे
- उपराज्यपाल वीके सक्सेना की घोषणा के बाद जिलाधिकारी कर रहे गांवों का रुख
- शहरी और ग्रामीण गांवों को बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने पर खर्च होंगे 800 करोड़
- हर गांव में डीएम के साथ ही दिल्ली सचिवालय से नियुक्त एक वरिष्ठ आइएएस भी रुकेंगे

के अनुसार निरीक्षण करेंगे। शाम छह से सात बजे तक सभी निवासियों के साथ रात्रि अग्नि पर एक 'चर्चा' आयोजित की जाएगी, जहां उन्हें अपनी शिकायतें और प्रतिक्रिया साझा करने के लिए कहा जाएगा। सात और आठ जनवरी की मध्यरात्रि के विश्राम के बाद चिह्नित गांवों में विकास के लिए अस्थायी रोडमैप साझा करने के लिए सुबह सात से 11 बजे के बीच 'संवाद' का दूसरा दौर शुरू करेंगे और गांव के विभिन्न

स्थानों का निरीक्षण करेंगे।

अपनी इंटरैक्टिव संवाद श्रृंखला-संवाद@राज निवास को जारी रहते एलजी वीके सक्सेना ने गत दो जनवरी को राजधानी के 180 गांवों का प्रतिनिधित्व करने वाले 500 से अधिक ग्रामीणों के साथ बात की थी। राजनिवास में ग्रामीणों के साथ अपनी तरह की पहली बातचीत का उद्देश्य रूपरेखा तैयार करने के लिए सुझाव और विचार मांगना था। जिसके बाद सभी विभागों से ग्रामीणों

की चुनौतियों और सामाजिक-आर्थिक स्थितियों का आकलन करने को अधिकारियों से एक रात का प्रवास करने के लिए कहा था। ये अधिकारी गांवों के सर्वांगीण विकास और उन्हें मुख्यधारा में लाने का व्यावहारिक उपाय बताएंगे। उनकी रिपोर्ट के आधार पर ग्राम विकास योजना में बुनियादी ढांचे के विकास, आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और ग्राम उत्पादों के विपणन के लिए गतिविधियों को

शामिल किया जाएगा। उपराज्यपाल ने राष्ट्र निर्माण के मूल्यों को विकसित करने के लिए एनसीसी स्कूलों के कवरेज का विस्तार करने का भी निर्देश दिया है। एलजी ने निर्देश दिया है कि संबंधित विभागों के सहयोग से डीएम की ओर से तैयार की गई प्रारंभिक योजना को प्रतिनियुक्त वरिष्ठ अधिकारियों के मूल्यांकन के आधार पर समेकित किया जाएगा, जिसे दो सप्ताह में अंतिम रूप दिया जाना चाहिए।

हिन्दुस्तान

नई दिल्ली, रविवार, 7 जनवरी 2024

प्लेटों की ई-नीलामी में तकनीकी समस्या

नई दिल्ली। डीडीए की वेबसाइट पर शनिवार को लग्जरी प्लेटों की ई-नीलामी की प्रक्रिया जारी रही। इस दौरान आवेदनकर्ताओं को वेबसाइट में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वेबसाइट में एचआईजी प्लेटों की बोली लगाने में आवेदनकर्ताओं को समस्या का सामना करना पड़ा। आवेदनकर्ताओं ने बताया कि डीडीए के कॉल सेंटर नंबर पर समस्या के बारे में अधिकारियों और कर्मचारियों को बताया है।

दोदिवसीय पतंग उत्सव का आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) 13 से 14 जनवरी को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय पतंग उत्सव का आयोजन कर रहा है। सराय काले खां स्थित बांसेरा बेम्बू पार्क में आयोजित होने वाले उत्सव में कई पेशेवर पतंगबाज अपना हुनर दिखाएंगे। डीडीए के वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को बताया कि पतंगों की गैलरी लगाई जाएगी जिसमें पतंग की विभिन्न किस्मों के साथ बारे में बताया जाएगा। इस दौरान प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

नई दिल्ली, 7 जनवरी, 2024 दैनिक जागरण / SPAPERS

DATED

पतंगबाजी के साथ मिलेगी रोचक जानकारी

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली: लोहड़ी व मकर संक्रांति के पर्व को यादगार बनाने के लिए डीडीए यमुना के किनारे बांसेरा पार्क में दो दिवसीय पतंग उत्सव आयोजित करने जा रहा है। 13 और 14 जनवरी को आयोजित होने वाले इस उत्सव का उद्घाटन एलजी वीके सक्सेना करेंगे। दिल्ली में पहली बार ऐसा आयोजन हो रहा है।

उत्सव में पतंग के इतिहास को प्रदर्शित करने के लिए एक थीम पवेलियन स्थापित किया जाएगा, जिसमें युद्ध के समय में पतंग के उपयोग, लड़ाकू पतंग, भारत में पतंग के महत्व आदि को दर्शाया जाएगा। लोग पतंग खरीद सकें, इसके लिए पतंग बाजार भी शुरू किया जाएगा। पेशेवर पतंगबाज इस उत्सव में नवीन पतंगों का प्रदर्शन करेंगे। भारत की सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करने वाले लोक कलाकारों के सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। पारंपरिक भोजन और हस्तशिल्प

लोहड़ी व मकर संक्रांति को यादगार बनाने के लिए डीडीए यमुना किनारे बांसेरा पार्क में आयोजित करेगा दो दिवसीय पतंग उत्सव

स्टाल भी लगाए जाएंगे। बच्चों के लिए किड्स ज़ोन के रूप में विशेष गतिविधियों की भी योजना बनाई गई है। यमुना के बाढ़ क्षेत्र की पारिस्थितिकीय विशिष्टता को बढ़ाने। इसे एक मनोरंजनात्मक और सांस्कृतिक स्थल के रूप में विकसित कर लोगों के लिए अधिक

अनुकूल बनाने के एलजी ने अगस्त 2022 में 'बांसेरा' की नींव रखी थी और इसे सिर्फ छह माह में विकसित किया गया। असम से लाए गए विशेष किस्म के 25 हजार से अधिक बांस के पौधे यहां लगाए गए थे। सितंबर में यहां एक संगीतमय फव्वारे की शुरुआत की गई है।

संडे नवभारत टाइम्स | नई दिल्ली | 7 जनवरी 2024

बांसेरा में होगा इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल डीडीए 13-14 जनवरी को करेगा आयोजन, फूड-हैंडिक्राफ्ट्स के स्टॉल्स होंगे

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

उत्तर भारत के कई हिस्सों में मकर संक्रांति पर पतंग उड़ाने की परंपरा रही है। दिल्ली में भी काफी संख्या में लोग इस दिन पतंगबाजी करते हैं। इसे देखते हुए डीडीए इस बार अपने पहले थीम पार्क बांसेरा में 13 और 14 जनवरी को इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल का आयोजन कर रहा है।

फेस्टिवल में पतंगों के बारे में जानकारी भी दी जाएगी। यहां पर थीम पवेलियन में पतंगों के पूरे इतिहास से रूबरू होने का मौका मिलेगा। साथ ही आप यहां के क्लासिक पतंग बाजार से पतंगें खरीद सकेंगे।

पारंपरिक जायकों के स्टॉल्स के अलावा हैंडिक्राफ्ट्स आइटम्स के स्टॉल्स भी यहां रहेंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रम और बच्चों के लिए भी कई तरह की गतिविधियां होंगी।



File Photo

काइट गैलरी में युद्ध में पतंग के इस्तेमाल, फाइटर पतंगें, भारत में पतंग का महत्व जानने की भी मिलेगा दो दिन के इस पतंग उत्सव में यमुना किनारे आपको समय बिताने का मौका मिलेगा। यहां आपको काइट गैलरी में युद्ध में पतंग के इस्तेमाल, फाइटर पतंगें, भारत

में पतंग का महत्व आदि के बारे में जानने को मिलेगा। साथ ही यहां पतंग उड़ाने वाले प्रेफेशनल भी अपना टैलेंट दिखाएंगे।

डीडीए के अनुसार लोहड़ी, मकर संक्रांति, बहू और पोंगल के फेस्टिवल को ध्यान में रखते हुए यह दो दिवसीय पतंग उत्सव आयोजित किया जा रहा है। एलजी वीके सक्सेना ने बांसेरा का शुभारंभ अगस्त 2022 में किया था। यहां पर लोगों को यमुना में जुड़ने का मौका भी मिलेगा। इसे महज छह महीने के रिकॉर्ड समय में बनाया गया है। यहां पर 25 हजार तरह के बांस के पौधे हैं। यह पौधे खास तौर पर असम से लाए गए हैं।

सितंबर 2023 में एलजी ने बांसेरा में म्यूजिकल फ़ाउंटेन की शुरुआत की थी। इसके शुरू होने के बाद यह पार्क लोगों का पसंदीदा पार्क बन गया। बांसेरा की तीन में से एक झील में म्यूजिकल फ़ाउंटेन है।

हिन्दुस्तान

नई दिल्ली, रविवार, 7 जनवरी 2024

दिल्ली के गांवों में रात बिताएंगे अफसर

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। डीएम, डीडीए, एमसीडी, पीडब्ल्यूडी, दिल्ली जल बोर्ड आदि विभागों के अधिकारी ग्रामीणों से बातचीत कर वहां के विकास का खाका तैयार करेंगे। डीडीए की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में लगभग 800 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना है।

सूत्रों ने बताया कि दो जनवरी को संवाद कार्यक्रम में उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने 180 गांवों के प्रतिनिधि ने मुलाकात की थी। एलजी ने बताया था कि गांवों का विकास करने के लिए 11 जिलों के डीएम अन्य अधिकारियों के साथ गांव में रुकेंगे। उनके निर्देश पर रविवार सुबह से सोमवार सुबह तक सभी डीएम गांव में रहेंगे। इससे दिल्ली ग्रामोदय अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की योजना बेहतर ढंग से तैयार हो सकेगी।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS----- संडे नवभारत टाइम्स | नई दिल्ली | 7 जनवरी 2024

गांवों के डिवेलपमेंट के लिए आज की रात गांव में बिताएंगे अधिकारी

उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने सभी विभागों के अधिकारियों को दिए आदेश

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली के गांवों के डिवेलपमेंट के लिए दिल्ली के उपराज्यपाल ने सभी विभागों के सीनियर अधिकारियों को एक रात गांव में बिताने को कहा है। इसका मकसद गांवों में रहने वाले लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति और चुनौतियों का मूल्यांकन करना है। इन अधिकारियों के सुझाव के आधार पर गांवों के इंफ्रस्ट्रक्चर और विकास की दिशा निर्धारित की जाएगी। उपराज्यपाल ने यह भी निर्देश दिया है कि NCC स्कूलों की कवरेज को बढ़ाने के लिए योजना बनाई जाए, ताकि राष्ट्र निर्माण के मूल्यों को बढ़ावा दिया जा सके।

उपराज्यपाल वीके सक्सेना द्वारा 2 जनवरी को की गई घोषणा के बाद राज निवास में 180 गांवों के प्रतिनिधियों के साथ हुए एक संवाद में जिला अधिकारियों



(DM) को अपने जनपदों के गांवों में रात बिताने का आदेश दिया गया है। सभी 11 जिले के जिला अधिकारियों को आज सुबह चयनित गांवों में पहुंचना है और वहां रात बिताकर कल, यानी 8 जनवरी की सुबह तक रुकना है। डीडीए द्वारा 800 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से दिल्ली के गांवों के लिए पुनर्निर्माण और विकास योजना को तैयार करना है और इसके लिए गांववालों की सहमति लेनी है।

ये होगा रूटीन

दिन की शुरुआत गांव के लोगों के साथ संवाद से होगी। दोपहर तीन से शाम छह बजे तक उन जगहों का दौरा करना है जहां पर काम किया जाएगा। शाम 6 से 7 बजे के बीच गांव के लोगों के साथ नाइट फायर, यानी अलाव के साथ चर्चा की जाएगी।

इन गांवों में बिताएंगे रात

वेस्ट में बापरोला, नॉर्थ वेस्ट में तातेसर ग्रामीण, साउथ वेस्ट में खेड़ा डाबर, साउथ में फतेहपुर बेरी, साउथ ईस्ट में पुल प्रह्लादपुर, ईस्ट में चिल्ला सरोदा बांगर, शाहदरा में बाबरपुर, नॉर्थ वेस्ट में बाकियाबाद, सेंट्रल में जगतपुरी, नई दिल्ली में समालखा, नॉर्थ में पल्ला गांव।



समक्षिप्त खबरों के अंदर की बात

रात में गांव में क्यों रुकने के आदेश?

गांव की विकास योजनाओं के लिए अफसरों को गांव में रात को रुकने के आदेश की वजह ये है कि अफसर न सिर्फ गांव की जरूरत को समझकर बल्कि गांववालों से अनौपचारिक तरीके से बातचीत करके योजना बनाएं, बल्कि ये भी देखें कि योजना कितनी व्यावहारिक है? रात को रुकने से गांवों के लोग भी सहज तरीके से अपनी बात अफसरों को समझा सकेंगे। प्रायः देखने में आता है कि कई जगह जरूरत किसी और सुविधा की होती है और योजना कोई और बन जाती है। इससे सरकारी पैसे का लोगों को पर्याप्त लाभ नहीं मिल पाता।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY

PRESS CLIPPING SERVICE

NEW DELHI
SUNDAY
JANUARY 07, 2024

ay Hindustan Times

THE SUNDAY EXPRESS, JANUARY 7, 2024

DMs TO STAY IN 11 VILLAGES TONIGHT TO UNDERSTAND PROBLEMS, SAYS LG

HT Correspondent

letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: The lieutenant governor's (LG) office announced on Saturday that the Capital's district magistrates (DM) will spend Sunday night in villages to get a first-hand account of residents' problems, and also announced the names of the 11 villages chosen for the purpose.

Last Tuesday, the LG said that each DM from the city's 11 revenue districts will spend the night in select villages to understand the ground situation and chalk a road map for growth in consultation with residents.

The initiative is part of the Dilli Gramodaya Abhiyan being executed by the Delhi Development Authority to develop villages, in line with Prime Minister Narendra Modi's call to take the government to the doorsteps of people.

The selected villages are Baprola (west district), Tatesar Rural (North West), Kheda Dabar (South West), Fatehpur Beri (South), Pul Prahaladpur (South East), Chilla Saroda Bangar (East), Babarpur (Shahdara), Baquiabad (North East), Jagatpur (Central), Samalkha (New Delhi), and Palla (North).

According to the LG's office, the DMs, accompanied by 11 IAS officers will arrive in their village on Sunday, hold "samvaad" from 11am to 2pm, inspect sites from 3pm to 6pm, hold a "charcha" by night fire from 8pm to 7pm to get feedback from residents, and after a night's sleep, hold another "samvaad" from 7am to 11am the next day.

Own accounts to fund projects: Revamp plan for villages takes shape

JATIN ANAND

NEW DELHI, JANUARY 6

AN ESCROW account for each of Delhi's 360 villages to receive and disburse funds for developmental work and a deadline to deliver on sanctioned projects in a year — the plan to develop the capital's countryside at a cost over around Rs 800 crore is now in place.

Days after L-G VK Saxena announced the initiative during an interaction with representatives of 180 villages at Raj Niwas, the capital's bureaucracy will spend Sunday night at villages to chalk out the next steps towards the "comprehensive" development of rural Delhi. "The L-G has asked all departments to depute senior officers to stay overnight for a ground assessment of challenges and socio-economic conditions faced by residents of villages," L-G House officials said.

In all, 22 IAS officers — district magistrates as well as officials in charge of departments such as the DDA, MCD, PWD and DJB among others — will be part of the initiative. "Based on their report, the village development plan will incorporate focused activities for infrastructure development, economic activities promotion, and creating linkages for marketing of village products," officials said.

According to officials, Saxena directed that the preliminary plan prepared by the DMs in col-

laboration with the heads of other government departments be finalised in two weeks.

During the stay, DMs will hold a 'Samvaad' (dialogue) with residents and prepare the plan to be implemented by the DDA. "All DMs will reach the selected villages on the morning of January 7 and stay the night till Monday. On day one of their visit, the DMs will hold a 'Samvaad' with residents over the first three hours starting at 11 am. From 3 pm to 6 pm, they will visit important sites for inspection. After that, till 7 pm, a 'Charcha' or discussion by night fire will be held with residents where they will be asked to share their grievances and feedback," officials said.

Officers will, after breaking for the night, resume the second round of 'Samvaad' between 7 am and 11 am to share the tentative road map.

The 11 villages selected include West district's Baprola; Tatesar Rural in Northwest; Kheda Dabar in the Southwest; Fatehpur Beri in South; Pul Prahaladpur in Southeast; Chilla; Saroda Bangar in East; Babarpur in Shahdara; Baquiabad in the Northeast; Jagatpur in Central; Samalkha in New Delhi; Palla in North Delhi.

The initiative is being conducted under Saxena's Dilli Gramodaya Abhiyan. Sources said 60% of the fund will be distributed in the financial year and later, 60% of the rest will be distributed in subsequent years.

DDA e-auction: 138 super HIG flats, 7 penthouses booked

EXPRESS NEWS SERVICE
NEW DELHI, JANUARY 5

THE Delhi Development Authority's (DDA) e-auction for its premium high-end flats garnered a total of 274 bookings on the first day of the e-auction. The DDA had announced the sale in late November last year and it was conducted exclusively through the e-auction mode.

DDA officials said that 129 MIG, 138 Super-HIG, and seven penthouses have been booked on the first day. The authority had received 296 bookings of which 274 have been confirmed sales. "Premium received was as much as 80% in some cases," said one DDA official.

As per DDA, the land authority recovered over 69.94 crore rupees as premium in sales, with Rs 61.5 crore from sale of Super HIG flats alone. The penthouses managed to rake in a premium of 2.12 crore rupees.

DEVELOPING DELHI'S VILLAGES: THE PLAN

₹793 Cr

CORPUS FOR

- Installation of streetlights, CCTVs
- Development of ponds/water bodies
- Development of cremation grounds, parks, playgrounds, vyamshalas, village library, Sewage Treatment Plant, Dasherikandi Sewerage

Treatment Plant (DSTP), sewage pumping station/rainwater harvesting

- Creation of new and maintenance of existing chaupals, bharat ghar, community centres
- Allotment of land to local bodies for schools, hospitals, dispensaries
- Each village to have escrow account to finance developmental activities

Work to be completed within same financial year/year of being sanctioned

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

LIBRARY

PRESS CLIPPING SERVICE

SUNDAY TIMES OF INDIA, NEW DELHI
JANUARY 7, 2024

NAME OF NEWSPAPERS

DATED

16 pollution sources at city hotspots tackled, 43 being monitored regularly

Priyank Agarwal
@timesgroup.com

New Delhi: The environment department, which had mapped 65 major sources of air pollution at 13 hotspots, has found that 16 sources have been dealt with, while 43 will be continuously monitored through the winter season. Action against six pollution sources is pending.

Apart from the major sources, 4,555 minor sources of pollution were also identified at the 13 hotspots. Of these, 2,251 sources have been tackled while action against 2,304 sources is in process. The 13 hotspots in the city are Rohini, Vivek Vihar, RK Puram, Narela, Punjabi Bagh, Okhla, Mundka, Wazirpur, Jahangirpuri, Dwarka, Ashok Vihar, Anand Vihar, and Bawana.

TOI had reported on September 29 last year that the environment department had mapped and prepared an inventory of all major and minor pollution sources along with their geo-coordinates at all the 13 pollution hotspots of the city. Based on these sources, the winter action plans for each hotspot had been prepared.

The inventory of all sources was shared with all agencies concerned so that the issues at each hotspot could be resolved.

"During a review of the redressal of pollution sources at the hotspots held on Ja-

nuary 4, it was found that of the total 65 sources of pollution in 13 hotspots, 16 sources of pollution have been dealt with. While 43 sources are being continuously monitored for the entire winter season, six pollution sources are yet to be resolved. We have asked the agencies to take care of the pending sources," said a senior environment department official.

Officials said 49% of the total 4,555 minor sources identified at the 13 hotspots

had been resolved in the past seven months. The sources of pollution included dumping of plastic waste, garbage, malba, construction and demolition waste, unpaved roads or roadsides, patches and potholes, congested traffic points, road dust, construction and demolition sites, vulnerable municipal solid waste burning, unpaved parking sites and air polluting industrial units, etc.

Of the minor sources of pollution, the majority of

them fell under the jurisdiction of the Municipal Corporation of Delhi (3,248 sources), followed by PWD (420 sources). The other departments concerned include Delhi Jal Board, National Highways Authority of India, Delhi Development Authority, irrigation & flood control department and Haryana government's irrigation department. "The principal secretary is monitoring the department-wise pendency," revealed the official.

Experts said that to control smog episodes in winter, the hyper-local sources of pollution had to be immediately combated at the hotspots, which witness high pollution levels every year. Apart from the 13 hotspots, the environment department has recently mapped a total of 90 varied pollution sources in 24 priority areas.

In 2023, Delhi recorded an average daily PM2.5 concentration of 100 micrograms per cubic metre against 98 micrograms per cubic metre in 2022. PM2.5 concentration in 2023 was 2.5 times higher than the annual national ambient air quality standards (NAAQS) and 20 times higher than the annual WHO safe limit. The average daily PM10 concentration in 2023 was 205 micrograms per cubic metre, which is still 3.4 times higher than the annual NAAQS and 13.7 times higher than WHO's annual safe limit.

TROUBLE POINTS

Redressal of major pollution sources at hotspots as per action plan

65 | Major sources

43 | Continuously monitored

6 | Pending

DPCC identifies 4,555 minor sources

2,251 sources resolved
2,304 in the process



Key sources | Dumping of plastic waste/garbage/malba/construction and demolition waste | Unpaved roads/roadsides | Patches, potholes | Congested traffic points | Road dust | Construction & demolition sites | Vulnerable municipal solid waste burning | Non-paved parking sites | Air polluting industrial units



DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

LIBRARY

PRESS CLIPPING SERVICE

NA

SUNDAY TIMES OF INDIA, NEW DELHI
JANUARY 7, 2024

DMs to camp overnight in villages for development

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Following lieutenant governor VK Saxena's directions, the revenue department of Delhi government has assigned one village each to all 11 district magistrates to interact with the residents and chalk out a development plan for the area.

The DMs, said Raj Niwas officials, will reach the assigned villages Sunday morning, stay overnight, and return Monday morning. "The exercise aims at chalking out the restoration and development plan for Delhi's villages, in consultation with the villagers, under the ambitious 'Dilli Gramoday Abhiyan', being executed by DDA at a cost of more than Rs 800 crores," said an official.

Officials said, one senior IAS officer and a team of officials of various stakeholder

departments would also accompany the DMs. The villages for overnight camping include Baprola in West district, Chatesar in North West, Kheda Dabar in South West, Fatehpur Beri in South, Pul Prahladpur in South East, Chilla Saroda Bangar in East, Babarpur in Shahdara, Baquiabad in North East, Jagatpur in Central, Samalkha in New Delhi and Palla in North.

Officials said Saxena had asked the departments to depute senior officers for assessing challenges and socio-economic conditions faced by the villagers. The officers will give prescription for all-round development of villages.

Based on their report, the village development plan should incorporate focused activities for infrastructure, economic promotion, and creating linkages for marketing of village products, the official

said, adding "The preliminary plan prepared by the DMs in collaboration with stakeholder departments would be consolidated based on the assessment of senior officers within two weeks".

The DMs will hold a 'Samvaad' (dialogue) with the residents of villages and its neighbourhood for three hours Sunday morning. After lunch, DMs and officers would inspect sites, identified earlier for development.

"For one hour in the evening, the officials will have a 'charcha' with the residents where they would be asked to share their grievances and feedback. They will resume the second round of dialogue with villagers the next morning from 7am to 11am to share the tentative roadmap for the development of the villages, at different locations," said an official.

गांवों के विकास का खाका तैयार

गांव की परंपरागत पहचान रहेगी बरकरार, आधुनिकता का किया जाएगा समावेश

संजीव गुप्ता • नई दिल्ली

• 249 गांव शहरों की तर्ज पर विकसित किए जाएंगे

• गांवों में विकास कार्य के लिए 793 करोड़ का फंड डीडीए को मिला



बाहरी दिल्ली के लाडपुर गांव में टूटी सड़क और उसमें जमा पानी • जागरण आर्काइव

दशकों से अनदेखी के शिकार दिल्ली के गांवों की तस्वीर बदलने वाली है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना की पहल से 249 (200 शहरीकृत और 49 ग्रामीण) गांव शहरों की तर्ज पर विकसित किए जाएंगे। गांवों की परंपरागत छवि को बरकरार रखते हुए आधुनिक सुविधाएं भी मुहैया कराई जाएंगी। राजस्व विभाग ने ग्रामीण विकास बोर्ड का 793 करोड़ रुपये का फंड भी दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को ट्रांसफर कर दिया है। खास बात यह है कि इस फंड का व्यय कैसे होगा एवं गांवों में क्या-क्या कार्य कराए जाएंगे, इसका पूरा खाका तैयार कर लिया गया है।

एलजी ने दिसंबर में दिल्ली ग्रामोदय अभियान की शुरुआत की थी। अभियान को धरातल पर उतारने, गांवों की स्थिति का जायजा लेने और ग्रामीणों की सलाह से विकास योजनाओं को तैयार करने के लिए सभी 11 जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) और वरिष्ठ आइएएस अधिकारियों का चयनित गांवों में रात्रि प्रवास भी रविवार से शुरू हो

गया है। राजनिवास के मुताबिक रात्रि प्रवास के जरिये एलजी ने सभी विभागों से ग्रामीणों के सामने आने वाली चुनौतियों और सामाजिक आर्थिक स्थितियों का जमीनी आकलन करने का निर्देश दिया है। इस प्रवास के बाद जरूरत के मुताबिक फंड के व्यय और कार्यों में कुछ बदलाव भी संभव है।

गांवों में कराए जाएंगे ये विकास कार्य:

तालाबों, जलाशयों का जीर्णोद्धार। शवदाह गृह, पार्क, खेल के मैदान, व्यायामशाला व ग्राम पुस्तकालय का विकास। बुनियादी ढांचागत विकास यानी जल आपूर्ति, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी), सीवेज पंपिंग स्टेशन (एसपीएस), वर्षा जल संचयन आदि का उन्नयन। मौजूदा चौपालों, बारातघरों, सामुदायिक केंद्रों आदि का रखरखाव और नए का

ऐसे होगा बजट का व्यय

इस अभियान के अंतर्गत परियोजना का बजट लगभग 793 करोड़ रुपये तय है। धनराशि का वितरण ग्रामवार किया जाएगा। ग्रामवार एस्क्रीन खोले जाएंगे और ग्राम सभा भूमि में किए जाने वाले विकास कार्यों की पहचान समुदाय के प्रतिनिधियों, स्थानीय ग्रामीणों द्वारा की जाएगी। फंड का 60 प्रतिशत इस वित्तीय वर्ष में वितरित किया जाएगा। अभियान के तहत क्रियान्वित किए जाने वाले कार्यों व योजनाओं को डीडीए स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा अनुमोदित किया जाना है। डीडीए के तहत निष्पादित किए जाने वाले कार्यों को उसी वित्त वर्ष के भीतर या मंजूरी की तारीख से एक वर्ष के भीतर पूरा किया जाना आवश्यक है।

निर्माण। अन्य आवश्यकता आधारित कार्य जैसे पेयजल सुविधा बेहतर बनाना। अतिक्रमण हटाना व खाली भूमि की सुरक्षा करना। आवश्यकता के आधार पर स्कूलों, अस्पतालों एवं औषधालयों के लिए स्थानीय निकायों को भूमि का आवंटन।

सराहनीय पहल » संपादकीय संबंधित » जागरण सिटी

सराहनीय पहल

ग्रामवासियों की समस्याएं और जरूरतें जानने का प्रयास करने के उद्देश्य से रविवार को दिल्ली के जिलाधिकारियों ने गांवों में प्रवास किया जो सराहनीय है। जिलाधिकारियों के प्रवास का यह कार्यक्रम उपराज्यपाल के दिशानिर्देश पर आयोजित किया गया। दिल्ली के गांवों तक विकास की बयार पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू किए गए 'दिल्ली ग्रामोदय अभियान' के तहत 793 करोड़ का बजट प्रस्तावित किया गया है। यह बजट सही मर्दों में खर्च हो और

इसका दिल्ली के गांवों को अधिकाधिक लाभ मिले, इसके लिए जिलाधिकारियों ने ग्रामीणों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी आवश्यकताओं और समस्याओं को जाना। इस दौरान, दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों से कामकाज कराने को लेकर ग्रामीणों के समक्ष आ रही चुनौतियों को जानने के साथ ही और ग्रामीणों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों का आकलन भी किया गया। इस कार्यक्रम के तहत गांव में प्रत्येक डीएम के साथ

सचिवालय से भेजे गए एक वरिष्ठ आइएएस ने भी प्रवास किया।

यह निराशाजनक ही है कि दिल्ली का विकास इसके गांवों तक नहीं पहुंच सका है। वहां के ग्रामीण अब भी बुनियादी समस्याओं से जूझ रहे हैं। ऐसे में गांवों का विकास कर ग्रामीणों के आर्थिक विकास के लिए प्रभावी उपाय करने की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है। एलजी ने विगत दो जनवरी को 180 गांवों का प्रतिनिधित्व करने वाले 500 ग्रामीणों के साथ बातचीत की थी, जिसके बाद जिलाधिकारियों के ग्राम प्रवास कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई।

यह निराशाजनक ही है कि दिल्ली का विकास इसके गांवों तक नहीं पहुंच सका है, यहां के ग्रामीण अब भी बुनियादी समस्याओं से जूझ रहे हैं

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

दैनिक जागरण नई दिल्ली, 8 जनवरी, 2024

हिन्दुस्तान
नई दिल्ली, सोमवार, 8 जनवरी 2024

पुल प्रहलादपुर में सांसद व डीएम ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं



प्रहलादपुर गांव में ग्रामीणों को संबोधित करते सांसद रमेश बिड़ुड़ी • सौ. सांसद कार्यालय
जागरण संवाददाता, दक्षिणी दिल्ली:
दिल्ली ग्रामोदय अभियान के तहत
पुल प्रहलादपुर गांव में सांसद व
डीएम ने ग्रामीणों की समस्याओं को
सुना। उनका निस्तारण करने का
आश्वासन दिया।

पुल प्रहलादपुर गांव में ग्रामीणों
को संबोधित करते हुए सांसद रमेश
बिड़ुड़ी ने कहा कि देश की राजधानी
में राज्य सरकार की अनदेखी के
कारण लोग नारकीय जीवन जीने को
मजबूर हैं। पिछले 15 से 20 वर्षों से
पहले कांग्रेस की सरकार और अब
नौ वर्षों से दिल्ली की केजरीवाल
सरकार के कारण अधिकतर गांवों
में गंदे पानी की निकासी, नाली
और सीवर की समस्या बरकरार है।
इसके कारण ग्रामीणों को परेशानी का
सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि बुजुर्गों के लिए

ग्रामीणों ने कहा, बुजुर्गों के बैठने
के लिए स्थान नहीं है, बच्चों के
खेलने के लिए क्रीडास्थल भी
उपलब्ध नहीं है

बैठने के स्थान नहीं, बच्चों के
खेलने के लिए क्रीडास्थल नहीं,
अधिकतर गांवों की ग्राम पंचायत
की जमीनें दिल्ली विकास प्राधिकरण
(डीडीए) ने कब्जा ली हैं। इसे देखते
हुए उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने
गांवों का दौरा कर अधिकारियों की
निस्ताकरण के लिए ड्यूटी लगाई
है। दक्षिणी पूर्व क्षेत्र ईशा खोसला व
डीएसआईडीसी प्रमुख संजीव मित्तल
ने ग्रामीणों की समस्या को सुना।
अधिकारियों ने कुछ समस्याओं को
मौके पर निपटाया और कुछ के
निपटाने का आश्वासन दिया।

एलजी ने लिया पतंग उत्सव की तैयारियों का जायजा

नई दिल्ली: एलजी वीके सक्सेना ने
रविवार को पतंग उत्सव की तैयारियों



वीके सक्सेना •

का जायजा
लिया। इस
दौरान उन्होंने
दिल्ली विकास
प्राधिकरण
(डीडीए) के
अधिकारियों को
सभी तैयारियां
समय पर पूरी करने के निर्देश दिए।
मालूम हो कि राजधानी के सराय
काले खा स्थित बांसेरा बैम्बू पार्क में
13 और 14 जनवरी को डीडीए द्वारा
पतंग उत्सव का आयोजन किया
जाएगा। इसमें अलग-अलग जगहों
से आए पेशेवर पतंगबाज अपना हुनर
दिखाएंगे। (जास)

पतंग उत्सव दो दिन तक मनाया जाएगा

नई दिल्ली, प्र.सं.। उपराज्यपाल वीके
सक्सेना ने रविवार को पतंग उत्सव की
तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान
उन्होंने दिल्ली विकास प्राधिकरण
(डीडीए) के अधिकारियों को सभी
तैयारी समय पर पूरी को कहा है।

राजधानी के सराय काले खा स्थित
बांसेरा बैम्बू पार्क में 13 और 14
जनवरी को डीडीए द्वारा पतंग उत्सव
का आयोजन किया जाएगा। इसमें
अलग-अलग जगहों से आए पेशेवर
पतंगबाज अपना हुनर दिखाएंगे। पतंग
के इतिहास को प्रदर्शित करने वाला
थीम पैवेलियन भी लोगों के आकर्षण
का केन्द्र रहेगा।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

। संडे नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । 7 जनवरी 2024

ERS

पंजाब केसरी

DELHI

7 जनवरी, 2024

दिल्ली के आसमान में रंगों का उत्सव



डीडीए
प्रस्तुत करता है
**पतंग
उत्सव**
अंतर्राष्ट्रीय काइट फेस्टिवल
13-14 जनवरी, 2024
बांसेरा बैनू पार्क
सराय काले खाँ के निकट
नई दिल्ली

मुख्य आकर्षण

- भारत और विदेश की अद्भुत पतंगों का प्रदर्शन
- पतंगों के इतिहास पर थीम प्रवेलियन
- पतंग बाज़ार
- पारंपरिक व्यंजन और हस्तशिल्प स्टॉल
- लोक कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति
- बच्चों के लिए विशेष आकर्षण



आईए
लोहड़ी, मकर संक्रांति
बिहू और पोंगल
का उत्सव मनाइए
हमारे साथ

दिल्ली विकास प्राधिकरण

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार, विकास सदन, आईएनए, नई दिल्ली-110023 | हमें फॉलो करें official_dda ddaofficial official_dda Official_dda

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

WWW.INDIANEXPRESS.COM

THE SUNDAY EXPRESS, JANUARY 7, 2024

SUNDAY TIMES OF INDIA, NEW DELHI
JANUARY 7, 2024

A colorful celebration
across Delhi's sky



DDA
PRESENTS
**PATANG
Utsav**
International Kite Festival
13-14 January, 2024
at Baansera Bamboo Park
Near Sarai Kale Khan
New Delhi

Key Highlights

- Showcasing innovative kites from India and abroad
- Theme pavilion on history of kites
- Patang Bazaar
- Traditional food and handicrafts stalls
- Cultural performances by folk artists
- Exclusive activities for kids

Celebrate
Lohri,
Makar Sankranti,
Bihu and Pongal
with us

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

Ministry of Housing and Urban Affairs, Govt. of India, Vikas Sadan, INA, New Delhi-110023 | Follow us on official_dda ddaofficial official_dda Official_dda

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

NEW DELHI
SATURDAY
JANUARY 06, 2024

NAME OF NEWSPAPERS-----

DATED-----

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI
SATURDAY, JANUARY 6, 2024

Hindustan Times



DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

(RECRUITMENT CELL)

NOTICE

Engagement of Consultant (GIS) on Short Term Contractual Basis

Delhi Development Authority proposes to engage 03 Consultant (GIS) purely on short term contractual basis for Land Pooling, Planning Department, DDA. The aspiring candidates are requested to submit the application in the prescribed format through online mode only at the e-mail: consultant.rc@dda.org.in on or before 19.01.2024

For complete notification, bio-data format etc. kindly visit DDA's website www.dda.gov.in → Jobs → Select Job Category → Jobs 2023-24.

Sd/-

Commissioner (Personnel)

Follow us on [f ddaofficial](https://www.facebook.com/ddaofficial) [i official_dda](https://www.instagram.com/ddaofficial) [in official_dda](https://www.linkedin.com/company/ddaofficial) [Official_dda](https://www.youtube.com/channel/UCddao0f1a1a1a1a1a1a1a1a1)
Please visit our website www.dda.gov.in or Dial Toll free No. 1800110332



DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

NOTICE

Shri Narinder Singh S/o Shri Jagir Singh directed to attend the office of Dy. Director (LAB) Rohini along with all original documents in respect of the Plot bearing No.999 measuring 32.00 sq.mtr. at Block-C Pocket-03, Sector-34, Rohini, Delhi within 15 days from the date of publish this notice failing which the Perpetual lease deed executed on 30.09.2021 is being cancelled without further notice.

Follow us on [f @ddaofficial](https://www.facebook.com/ddaofficial) [i official_dda](https://www.instagram.com/ddaofficial) [in official_dda](https://www.linkedin.com/company/ddaofficial) [Official_dda](https://www.youtube.com/channel/UCddao0f1a1a1a1a1a1a1a1a1)
Please visit DDA's Website at www.dda.gov.in or dial Toll Free No. 1800110332

हिन्दुस्तान

नई दिल्ली, शनिवार, 6 जनवरी 2024



दिल्ली विकास प्राधिकरण

(मर्तो प्रकोष्ठ)

सूचना

अनुबंध आधार पर अल्प अवधि हेतु परामर्शदाता (जीआईएस) की नियुक्ति

दिल्ली विकास प्राधिकरण लैंड पूलिंग, योजना विभाग, दि.वि.प्रा. के लिए पूर्णक अनुबंध आधार पर अल्प अवधि हेतु 03 परामर्शदाता (जीआईएस) की नियुक्ति का प्रस्ताव करता है।

इच्छुक आवेदकों से अनुरोध है कि वे अपने आवेदन-पत्र निर्धारित प्रारूप में केवल ऑनलाइन माध्यम से दिनांक 19.01.2024 तक या उससे पूर्व ई-मेल: consultant.rc@dda.org.in पर भेजें।

कृपया पूर्ण अधिसूचना, बायो-डाटा प्रारूप आदि के लिए दि.वि.प्रा. की वेबसाइट www.dda.gov.in → Jobs → Select Job Category → Jobs 2023-24 देखें।

हस्ता. /—

आयुक्त (कार्मिक)

[f ddaofficial](https://www.facebook.com/ddaofficial) [i official_dda](https://www.instagram.com/ddaofficial) [in official_dda](https://www.linkedin.com/company/ddaofficial) [Official_dda](https://www.youtube.com/channel/UCddao0f1a1a1a1a1a1a1a1a1) पर हमें फॉलो करें।
कृपया हमारी वेबसाइट www.dda.gov.in देखें या टोल फ्री नंबर 1800110332 डायल करें।